खबर संक्षेप

कलेक्टर ने हेलीपैड एवं धनपुरी वाटर पार्क का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 8 फरवरी को प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ.केदार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने लालपुर हेलीपैड एवं धनपुरी वाटर पार्क का निरीक्षण कर किए जा रहे तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग, लोगों के आवागमन जैसे सहित तैयारी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा धनपुरी नगर पालिका द्वारा धनपुरी नगर में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित अत्याधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त धनपुरी वाटर पार्क का 8 फरवरी 2026 को लोकार्पण करेंगे। धनपुरी वाटर पार्क में आमजन के मनोरंजन एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्विमिंग पूल, कॉन्फ्रेंस हॉल, इंडोर गेम्स रूम, एक्वा टावर, रेस्टोरेंट, वाहन पार्किंग, बैंक्वेट हॉल, वाटर पार्क साउंड सिस्टम तथा लेजी रिवर (आरसीसी स्ट्रक्चर) जैसी अन्य सुविधाएं विकसित की गई हैं। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रावास से नाबालिग को उड़ाने वाले सलाखों के पीछे

शहडोल। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए छात्रावास से अपहृत 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को न केवल सकुशल बरामद किया, बल्कि उसकी अस्मत से खेलने वाले दो सगे दरिंदों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। घटना की शुरुआत 8 जनवरी 2026 को हुई थी, जब कंचनपुर स्थित माता सबरी कन्या शिक्षा परिसर के छात्रावास से शाम की गिनती के दौरान एक नाबालिग छात्रा रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। प्रधानाचार्य की शिकायत पर सोहागपुर पुलिस ने तत्काल अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों का जाल बिछाया, जिसके परिणामस्वरूप 19 जनवरी को बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया।

पॉक्सो एक्ट के तहत नपे आरोपी- बरामदगी के बाद जब बालिका के बयान दर्ज किए गए, तो रूह कंपा देने वाली सच्चाई सामने आई। बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद उसके साथ दरिंदगी की गई थी। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संगीन धाराएं बढ़ाईं और फरार आरोपियों की घेराबंदी शुरू की। सोहागपुर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी सुजात खान उम्र 22 वर्ष और उसके सहयोगी साजिद खान उम्र 26 वर्ष दोनों निवासी ग्राम दूधी सिंहपुर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर सख्त कानूनी शिकंजे में कस दिया गया है।

दिनदहाड़े सराफा कारोबारी से उड़ाया सोना-चांदी से भरा थैला

नौरोजाबाद। थाना क्षेत्र के ग्राम रहठा में बदमाशों ने खाकी के खौफ को ठेंगा दिखाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। बाजार के पीक आवर में एक सराफा दुकानदार की महज तीन मिनट की लापरवाही उसे 6 लाख 83 हजार रुपये की चपत लगा गई। व्यस्त बाजार में हुई इस दुस्साहसिक चोरी ने नौरोजाबाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और गश्त के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

संभाग में किराए की डिग्री पर मौत का व्यापार

नौसिखियों के हाथ में दवाइयां

ड्रग विभाग की महीना सेटिंग ने जनता को किया राम भरोसे

शहडोल। दवाएं जीवन बचाती हैं, लेकिन जब दवा देने वाला हाथ नौसिखिया हो और दुकान फर्जी डिग्री के सहारे खड़ी हो, तो वही दवा जहर बन जाती है। संभाग में इन दिनों औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 की धज्जियां उड़ाते हुए किराए की डिग्री का काला कारोबार चरम पर है। संभाग के सैकड़ों मेडिकल स्टोर बिना रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट के चल रहे हैं, जहां दवाओं के नाम तक न पढ़ पाने वाले लोग मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

5 से 8 हजार में ईमान का सौदा

नियम कहता है कि मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट की मौजूदगी अनिवार्य है, लेकिन हकीकत यह है कि संभाग भर में फार्मासिस्ट की डिग्रियां किराए पर उपलब्ध हैं। बेरोजगार या अन्य जगहों पर नौकरी करने वाले फार्मासिस्ट 5 से 8 हजार रुपये प्रति माह के लालच में अपना रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट मेडिकल संचालकों को सौंप देते हैं। संचालक दुकान की दीवार पर वह कागज टांग देते हैं और खुद डॉक्टर बनकर दवाएं बांटते हैं। मजेदार बात यह है कि लाइसेंस के लिए शपथ पत्र दिया जाता है कि फार्मासिस्ट कहीं और काम नहीं करेगा, लेकिन वही फार्मासिस्ट किसी दवा कंपनी या दूसरे शहर में नौकरी कर रहा होता है। यह दोहरा खेल ड्रग विभाग की नाक के नीचे चल रहा है।

पर्दानशीं हैं हुजूरे आला

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए, संभाग के ड्रग इंस्पेक्टरों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। स्थानीय सूत्रों और कुछ मेडिकल संचालकों ने दबी जुबान में स्वीकार किया है कि ड्रग विभाग के कारिंदों का महीना बंधा हुआ है। साहब कभी जांच के नाम पर निकलते भी हैं, तो दुकानों पर जल-पान और सुविधा शुल्क लेकर बिना कार्रवाई किए लौट आते हैं। हालत यह है कि ड्रग इंस्पेक्टर आम जनता के लिए पर्दानशीं बने हुए हैं। उनके मोबाइल नंबर अक्सर बेलाइन रहते हैं या अनजान नंबरों को उठाना वे अपनी शान के खिलाफ समझते हैं। जब हुजूरे आला तक शिकायत ही नहीं पहुंचेगी, तो कार्रवाई की उम्मीद बेमानी है। अनूपपुर और उमरिया जिला मुख्यालयों सहित कस्बाई इलाकों में भी जुगाड़ के फार्मासिस्टों का कब्जा है।

जनता का स्वास्थ दांव पर

अधिकतर दुकानों पर वे लडक़े दवाएं बेच रहे हैं जिन्होंने किसी मेडिकल स्टोर पर कुछ महीने हेल्पर का काम सीखा और अब खुद को विशेषज्ञ समझने लगे हैं। दवाओं के सॉल्ट, डोज और एक्सपायरी की समझ न होने के कारण ये नौसिखिये किसी भी दिन बड़े हादसे को अंजाम दे सकते हैं। क्या ड्रग विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है, संभाग में चल रहा यह खेल बिना प्रशासनिक संरक्षण के संभव नहीं है। लाइसेंस जारी करते समय होने वाला भौतिक सत्यापन महज एक ढकोसला बनकर रह गया है। शहडोल संभाग का दवा बाजार अब सेवा का क्षेत्र नहीं, बल्कि संगठित अपराध का अड्डा बनता जा रहा है। यदि समय रहते इन किराए के लाइसेंस और झोलाछाप फार्मासिस्टों पर नकेल नहीं कसी गई, तो सरकारी खजाने के साथ-साथ आम आदमी की जान की कीमत भी ये सफेदपोश शिकारी वसूलते रहेंगे।

ज़हरीले पानी ने ली हजारों मछलियों की जान

शहडोल।

शहर के बीचों-बीच स्थित जिस झूला पुल तालाब को नगर की सुंदरता का प्रतीक माना जाता था, वह अब मौत का कुंड बन चुका है। बुधवार को तालाब की सतह पर तैरती हजारों मृत मछलियों ने नगर पालिका के स्वच्छता के दावों और मत्स्य विभाग की नींद उड़ा दी। चौपाटी के पीछे स्थित इस तालाब में मछलियों की सामूहिक मौत ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है और प्रशासन की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

चौपाटी के कचरे ने घोला जहर

तालाब में बिछी मछलियों की लाशें कोई प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय निवासियों का सीधा आरोप है कि तालाब के किनारे संचालित चौपाटी और अवैध बिरयानी सेंटरों का गंदा पानी और बचा-कुचा कचरा सीधे तालाब में उड़ेला जा रहा है। लंबे समय से चल रहे इस अपराध ने पानी को इतना जहरीला कर दिया कि मछलियों के लिए ऑक्सीजन खत्म हो गई। सवाल यह है कि क्या नगर पालिका ने इन दुकानदारों को तालाब को डस्टबिन बनाने का लाइसेंस दे रखा है?

बीमारी को दावत दे रहे लोग

तबाही के इस मंजर के बीच एक और भयावह तस्वीर सामने आई। जब मछलियां मरकर किनारे लगीं, तो जागरूक होने के बजाय कुछ लोग अपनी जान जोखिम में डालकर उन जहरीली मछलियों को बटोरकर घर ले जाते दिखे। यह स्थिति शहडोल में एक बड़े हेल्थ इमरजेंसी को जन्म दे सकती है। जहरीले पानी में मरी इन मछलियों का सेवन जानलेवा साबित हो सकता है, लेकिन मौके पर न तो नगर पालिका का कोई दस्ता दिखा और न ही स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी।

सौंदर्यीकरण के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति!

अभी कुछ समय पहले ही भारी-भरकम बजट खर्च कर इस तालाब के जीर्णोद्धार का ढिंढोरा पीटा गया था। अगर साफ-सफाई हुई थी, तो आज यह जलीय जीवन क्यों तड़पकर मर गया? क्या मत्स्य विभाग केवल ठेके देने तक सीमित है? फिलहाल मछलियों की मौत एक रहस्य बनी हुई है, लेकिन यह घटना प्रशासन के चेहरे पर कालिख पोतने के लिए काफी है। कलेक्टर इस मामले में तत्काल संज्ञान लें, पानी की लैब टेस्टिंग कराएं और तालाब को प्रदूषित करने वाले होटलों-सेंटरों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें तत्काल बंद कराएं।

4 घंटे तक पुलिस को छकाया, सांसें थामे रहा शहर

रस्सियां तोड़कर टंकी पर चढ़ा वीरू

शहडोल।

जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में मंगलवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक सनकी युवक ने फिल्मी स्टाइल में पानी की टंकी को अपना सुसाइड पॉइंट बना लिया। वार्ड क्रमांक 3 निवासी मोहम्मद गोलू ने स्टेट हॉस्पिटल के पीछे बनी विशाल पानी की टंकी पर चढ़कर करीब चार घंटे तक मौत का तांडव रचा। कभी छलांग लगाने की धमकी तो कभी पानी में कूदने का इशारा युवक के इस हाई-वोल्टेज ड्रामे ने पुलिस प्रशासन के पसीने छुड़ा दिए।

रस्सियों की बेडिय़ां काट मौत से खेलने निकला बागी

जानकारी के मुताबिक, मोहम्मद गोलू मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। हाल ही में उसने अपनी ही मां और भाई पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने की कोशिश की थी। हिंसक प्रवृत्ति के कारण परिजनों ने उसे घर में रस्सियों से बांधकर रखा था, लेकिन मंगलवार को वह किसी तरह बेडिय़ां तोडक़र भाग निकला और सीधे

पानी की टंकी के शिखर पर जा पहुंचा। युवक का आरोप था कि उसे बांधा क्यों गया, और इसी नाराजगी में वह मौत को गले लगाने की जिद पर अड़ गया।

18 दिन पहले सौ रुपये की थी कीमत

हैरानी की बात यह है कि प्रशासन के लिए यह कोई नई चुनौती नहीं थी। ठीक 18 दिन पहले, 17 जनवरी को भी यही युवक मोनाली टावर पर चढ़ गया था, तब महज 100 रुपये देकर उसे नीचे उतारा गया था, लेकिन इस बार मामला गंभीर था। धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो और उनका अमला घंटों तक प्रलोभन और समझाइश का खेल खेलते रहे, मगर युवक टस से मस नहीं हुआ।

तमाशबीन बनी भीड़ और सुरक्षा पर उठते सवाल

हादसे की खबर फैलते ही मौके पर हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोग मोबाइल से वीडियो बनाने में मशगूल थे, वहीं पुलिस रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए जद्दोजहद करती रही। यह घटना न केवल एक परिवार की लाचारी को उजागर करती है, बल्कि सार्वजनिक संपत्तियों (पानी की टंकी) की सुरक्षा पर भी बड़ा सवालिया निशान लगाती है, जहां कोई भी मानसिक रोगी आसानी से चढक़र शहर की शांति भंग कर सकता है। चार घंटे के इस जानलेवा ड्रामे के बाद युवक को नीचे उतारा जा सका, लेकिन इस घटना ने पूरे धनपुरी को दहशत में डाल दिया है।

इनका कहना है...

युवक मानसिक रूप से कमजोर है, अक्सर इस तरह कभी टावर में तो कभी पानी टंकी में चढ़ कर परेशान करता है, अभी हाल ही 100 के चाह में टावर पर चढ़ गया था और अब पानी टंकी चढ़ा है, उसको नीचे उतारने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

खेम सिंह पेंद्रो
थाना प्रभारी, धनपुरी

बेदाग सेवा के बाद मेघराज-जी.डी. तिवारी हुए सेवानिवृत्त

खाकी की गौरवमयी विदाई, छलकी आंखें

शहडोल।

कहते हैं कि खाकी पहनना आसान है, लेकिन उसे चार दशकों तक बेदाग और अनुशासित रखना तपस्या से कम नहीं। शहडोल पुलिस विभाग के दो स्तंभ सूबेदार (आंकिक) मेघराज आसुदानी और उप निरीक्षक जी.डी. तिवारी ने अपनी इसी तपस्या को पूर्ण कर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गरिमामय विदाई ली।

निष्ठा और अनुशासन का सफर

वर्ष 1984 में पुलिस विभाग की दहलीज पर कदम रखने वाले इन दोनों योद्धाओं ने अपनी सेवा के लगभग 42 साल विभाग की गरिमा को समर्पित कर दिए। विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने दोनों अधिकारियों को शॉल, श्रीफल और पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। एएसपी श्री दीवान ने ओजस्वी स्वर में कहा कि इन अधिकारियों ने केवल नौकरी नहीं की, बल्कि पुलिसिंग की ईमानदारी और समर्पण की मिसाल पेश की है। इनका अनुशासित जीवन आज के नए आरक्षकों के लिए किसी पाठशाला से कम नहीं है।

परिजनों की मौजूदगी में भावुक हुई विदाई

एसपी कार्यालय में आयोजित इस सम्मान समारोह का मंजर तब और भी मार्मिक हो गया जब दोनों अधिकारियों के परिवारजन इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। विभाग के साथियों ने उन्हें कंधों पर बिठाया और उनके दीर्घकालीन योगदान को याद किया। 40 साल तक कानून व्यवस्था और कार्यालयीन शुचिता को बनाए रखने वाले इन अधिकारियों ने अपनी विदाई के वक्त विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रेरणास्रोत बना सेवाकाल

सूबेदार मेघराज आसुदानी और एसआई जी.डी. तिवारी की सेवानिवृत्ति पर शहडोल पुलिस परिवार ने संकल्प लिया कि उनके द्वारा स्थापित किए गए उच्च कार्य मानकों को सदैव जीवंत रखा जाएगा। समारोह के अंत में उज्ज्वल और सुखमय भविष्य की कामना के साथ उन्हें ससम्मान घर विदा किया गया।

पति की जान बचाने मौत के कुएं में कूदी पत्नी

शहडोल में साहस और वियोग की रूह कंपा देने वाली दास्तां, पंच की मौत

शहडोल।

जिले के तेन्दुडोल गांव में बुधवार को करवाचौथ जैसी अटूट निष्ठा और अदम्य साहस की एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने पत्थर दिल इंसान की भी आंखें नम कर दीं। अपने सुहाग को मौत के मुंह में समाते देख एक पत्नी ने अपनी जान की परवाह किए बगैर गहरे कुएं में मौत की छलांग लगा दी। हालांकि, नियति को कुछ और ही मंजूर था, पति की सांसें टूट गईं और पत्नी अब अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है।

हादसे ने छीना गांव का पंच

जानकारी के मुताबिक, ग्राम तेन्दुडोल निवासी राकेश सिंह उम्र 32 वर्ष, जो पंचायत में पंच के पद पर सेवा दे रहे थे, अपने घर के कुएं से पानी निकाल रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वह अनियंत्रित होकर गहरे पानी में जा गिरे। चीख सुनकर पास ही खड़ी पत्नी सुमिला सिंह पल भर की भी देरी नहीं की और अपने पति को बचाने के जुनून में कुएं में कूद गई।

साहस को सलाम, पर अधूरा रहा संघर्ष

कुएं से आ रही आवाजों को सुन ग्रामीण मौके पर दौड़े। कड़ी मशक्कत के बाद सुमिला को तो गंभीर हालत में बाहर निकाल लिया गया, लेकिन तब तक राकेश सिंह की जल समाधि हो चुकी थी। सीधी थाना प्रभारी शिवेंद्र राम भगत ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। यह घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा है, जहां एक औरत ने यमराज से भी टकराने की हिम्मत दिखाई। पूरा गांव आज शोक में डूबा है और उस जांबाज पत्नी के साहस की चर्चा हर जुबान पर है, जिसने अपने पति को बचाने के लिए खुद को मौत के हवाले कर दिया था।

संजय गांधी पावर प्लांट में कोयला घोटाला पटरी पर उतरा: अनलोडिंग के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, हादसे ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

उमरिया।

जिले के बिरसिंहपुर पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगठार स्थित संजय गांधी ताप विद्युत गृह एक बार फिर भ्रष्टाचार के काले धुएं की चपेट में है। जिस कोयले को रिकॉर्ड बुक में अनलोड दिखाकर कागजों पर प्लांट की भट्टी में झोंक दिया गया, वही कोयला पटरियों पर बिखरा मिला। अंबिकापुर के पास हुई एक रेल दुर्घटना ने पावर प्लांट के भीतर चल रहे उस सुनियोजित खेल को बेनकाब कर दिया है, जिसमें अधिकारी और ठेका एजेंसियां मिलकर सरकारी खजाने को चूना लगा रही हैं।

कागजों पर खाली, वैगनों में फुल

पूरा मामला 30 जनवरी का है, जब एसईसीएल से लगभग 4000 मीट्रिक टन कोयला लेकर एक मालगाड़ी प्लांट पहुंची। प्लांट के रिकॉर्ड में दर्ज किया गया कि कोयला पूरी तरह खाली कर दिया गया है और उसी रात ट्रेन को रवाना भी कर दिया गया, लेकिन कुदरत को यह हेराफेरी मंजूर नहीं थी। अंबिकापुर के दर्रीटोला के पास जैसे ही ट्रेन के तीन वैगन पटरी से उतरे और एक वैगन पलटा, तो वहां कोयले का ढेर लग गया। सवाल यह उठता है कि यदि प्लांट में कोयला खाली हो चुका था, तो खाली वैगन से हजारों किलो कोयला कहां से टपक पड़ा?

लो-ग्रेड का खेल या ठेकेदार को स्पेशल लाभ

प्लांट के गलियारों में चर्चा आम है कि यह महज तकनीकी चूक नहीं, बल्कि एक बड़ा सिंडिकेट है। आशंका जताई जा रही है कि हाई-ग्रेड कोयले के नाम पर लो-ग्रेड की सप्लाई खपाने या फिर पूरा कोयला न उतारकर ठेका एजेंसी राधा चेन्नई को अनुचित लाभ पहुंचाने का खेल चल रहा था। अधिकारी दबी जुबान में इसे तकनीकी खराबी बता रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि यह वजन की चोरी का सीधा मामला है।

महज खानापूर्ति या असली सजा

मामला उजागर होने के बाद प्रबंधन ने आनन-फानन में ठेका कंपनी राधा चेन्नई पर करीब 2 लाख रुपये का जुर्माना ठोककर अपना पल्ला झाडऩे की कोशिश की है, लेकिन सवाल यह है कि क्या 2 लाख की पेनल्टी उस बड़े घोटाले की भरपाई कर पाएगी जो लंबे समय से अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर हादसे और करोड़ों के हेरफेर की खबर पावर जनरेशन कंपनी के शीर्ष मुख्यालय तक समय पर नहीं पहुंची, जो प्रबंधन की नियत पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। एसई-वन वी.के.एस. बघेल भले ही इसे वैगन में फंसा हुआ कोयला बता रहे हों, लेकिन यह सफाई गले नहीं उतरती। क्या यह मुमकिन है कि हजारों किलो कोयला किसी को दिखाई न दे? यह सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और पद के दुरुपयोग का मामला है।

सरकारी खजाने को चूना लगा रहा ताला का संगठित सिंडिकेट

अधिकारी ने झाड़ा पल्ला, तो छोटे कर्मचारियों ने खोली पोल

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व इन दिनों बाघों की दहाड़ से ज्यादा भ्रष्टाचार की गूंज के लिए चर्चा में है। वन विभाग के माथे पर भ्रष्टाचार का एक ऐसा काला दाग लगा है, जिसे धोना अब प्रबंधन के बस की बात नहीं रही। मामला पर्यटकों की अवैध एंट्री और सरकारी खजाने में खुलेआम सेंधमारी का। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक मैनुअल पर्ची ने ताला जोन में चल रहे उस संगठित सिंडिकेट की कलई खोल दी है, जो ऑनलाइन सिस्टम को ठेंगा दिखाकर अपनी जेबें भर रहा है।

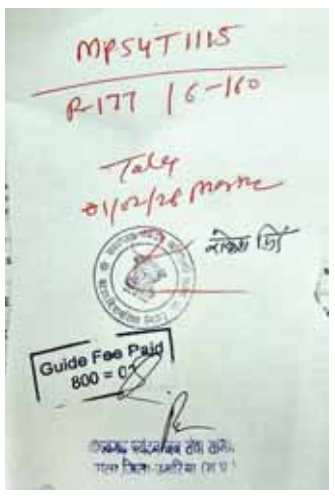

सरकारी खजाने पर डाका

नियम कहते हैं कि मध्य प्रदेश के किसी भी टाइगर रिजर्व में प्रवेश के लिए केवल एमपी ऑनलाइन या फॉरेस्ट पोर्टल के माध्यम से ही बुकिंग हो सकती है, लेकिन बांधवगढ़ के ताला गेट पर नियम नहीं, बल्कि सिस्टम चलता है। वायरल पर्ची कोई सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का वह कच्चा चि_ा है, जो साबित करता है कि यहां एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) की कैरिंग कैपेसिटी के नियमों को पैरों तले रौंदा जा रहा है। अवैध रूप से जारी इस पर्ची पर न तो कोई सरकारी सीरियल नंबर है और न ही इसका पैसा राजकोष में जमा होता है। सूत्रों की मानें तो जब ऑनलाइन कोटा फुल हो जाता है, तब शुरू होता है वीआईपी कल्चर का असली खेल। होटलों से सेटिंग कर पर्यटकों से मोटी रकम वसूली जाती है और उन्हें कोरे कागज पर मुहर लगाकर पार्क के अंदर धकेल दिया जाता है।

जिम्मेदारों का शुतुरमुर्गी रवैया

इस पूरे प्रकरण में ताला के पर्यटन अधिकारी (रेंज ऑफिसर) अंकित सोनी की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। वायरल पर्ची पर उन्हीं के कार्यालय की सील लगी है, लेकिन जब सवाल पूछे गए तो उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि मैं इस पर्ची को नहीं जानता, इसमें मेरे साइन नहीं हैं। हालांकि, अधिकारी का यह झूठ उनके अपने ही स्टाफ ने बेनकाब कर दिया है। गेट पर तैनात कर्मचारियों ने दबी जुबान में स्वीकार किया है कि यह कोई पहली बार नहीं है। स्टाफ का साफ कहना है कि यह पर्चियां सीधे साहब (पर्यटन अधिकारी) के ऑफिस से अलाऊ होकर आती हैं। कई बार तो बिना पर्ची के भी गाडिय़ां छोड़ी जाती हैं। हम तो छोटे कर्मचारी हैं, साहब का हुक्म कैसे टालें? कर्मचारियों का यह कबूलनामा कह रहा है कि यह भ्रष्टाचार की जड़ें ऊपर तक फैली हुई हैं।

वीआईपी के नाम पर अवैध सफारी

पड़ताल में सामने आया है कि 1 फरवरी 2026 को जिप्सी क्रमांक एमपी-54-टी-1115 के लिए ऐसी ही एक अवैध पर्ची जारी की गई थी। इसमें तीन पर्यटकों को वीआईपी बताकर ताला जोन की सैर कराई गई। पर्ची पर बकायदा गाइड फी पेड 800 की मुहर लगाकर अवैध वसूली की गई। स्थानीय गाइडों और ड्राइवरों का कहना है कि प्रतिदिन 5 से 6 गाडिय़ां इसी तरह बिना ऑनलाइन बुकिंग, बिना आईडी प्रूफ और बिना किसी वैध रिकॉर्ड के पार्क में प्रवेश करती हैं। यह न केवल वित्तीय अनियमितता है, बल्कि वन्यजीवों की सुरक्षा और सुरक्षा नियमों के मुंह पर करारा तमाचा भी है। आखिर बिना रिकॉर्ड के अंदर जाने वाले ये लोग कौन हैं, अगर जंगल के अंदर कोई अनहोनी हो जाए, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

एनटीसीए और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां

एनटीसीए की नॉर्मेटिव स्टैंडड्रस फॉर टूरिज्म एक्टिविटीज, 2012 के अनुसार, पर्यटन क्षमता का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की धारा 38-ओ के तहत तय सीमा से अधिक वाहन ले जाना एक दंडनीय अपराध है, लेकिन बांधवगढ़ में क्षेत्र संचालक से लेकर नीचे तक का पूरा तंत्र इस काले खेल में मौन सहमति दिए बैठा है। किसी भी अधिकारी को यह संवैधानिक अधिकार नहीं है कि वह कोरे कागज पर मुहर लगाकर सरकारी संपत्ति का सौदा करे। यह सीधे तौर पर पद का दुरुपयोग और वित्तीय धोखाधड़ी का मामला है। बांधवगढ़ में चल रही यह लूट अब ढकी-छुपी नहीं रही। कोरे कागज की यह पर्ची वन विभाग के उन दावों की पोल खोल रही है, जिनमें पारदर्शिता की बात कही जाती है। अब देखना यह है कि क्या शासन इन सफेदपोश शिकारियों पर कार्रवाई करता है या फिर कागजी खानापूर्ति कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा।

पाली विकासखंड में 10 से 24 फरवरी तक चलाया जाएगा एमडीए अभियान

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि जिले के पाली विकासखंड में 10 से 24 फरवरी 2026 तक एमडीए अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीमें घर-घर जाकर लक्षित जनसंख्या को निर्धारित मात्रा में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराएंगी। इस हेतु सभी सब-सेंटर सुपरवाइज़रों (सी एच ओ,ए एन एम,एम पी एस, एल एच वी,आशा परिवेक्षक) को माइक्रोप्लानिंग,दवा वितरण,रिपोर्टिंग एवं निगरानी से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है ।

उन्होने बताया कि डी.ई.सी. एल्बेंडाजोल आइवरमेक्टिन की गोली का सेवन करने से मनुष्य के शरीर में स्थित फाइलेरिया के कृमि नष्ट हो जाते हैं जिससे यह बीमारी एक से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती। दवा खाने से कृमि के मरने पर बुखार, उल्टी, सिर दर्द या चक्कर आ सकते हैं, जो कि दवा का प्रतिकूल प्रभाव है और ये लक्षण कुछ समय के बाद स्वयं समाप्त हो जाते हैं। फाइलेरिया रोग से बचाव के लिए डी.ई.सी. की गोली की सालाना खुराक सभी पात्र व्यक्तियों को लेना आवश्यक है। उन्होने अपील करते हुए वे स्वयं दवा का सेवन करें तथा अपने परिवार एवं आस-पास के लोगों को भी दवा सेवन के लिए प्रेरित करें।

रवि साहू जिला मलेरिया सलाहकार ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर,लेकिन पूरी तरह से रोकी जा सकने वाली बीमारी है, जिसके उन्मूलन के लिए सभी पात्र व्यक्तियों द्वारा दवा का सेवन सुनिश्चित कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। कुछ व्यक्तियों में दवा सेवन के बाद सिर दर्द, बदन दर्द, पेट दर्द, उल्टी जैसे अस्थायी लक्षण दिखाई दे सकते हैं, जिससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। ये लक्षण दवा के प्रभाव के कारण अस्थायी होते हैं। फायलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन अत्यंत आवश्यक है। उन्होने बताया कि वर्ष में एक बार 02 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोडक़र शेष सभी को निर्धारित मात्रा में डीईसी (डाय-इथाइल कार्बामैजीन) एवं एल्बेंडाजोल दवा का सेवन कराया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर ने की महेन्द्र बारसकर की सेवा समाप्त

हरिभूमि
साहबों ने डकारी सरकारी राशि

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मध्यप्रदेश शासन,पंचायत एवं ग्रामीण विकास भोपाल, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिला स्तर पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारो के प्रत्योजन के तहत महेन्द्र कुमार बारसकर जिला प्रबंधक कृषि को प्रशासनिक, वित्तीय अनियमितता,कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही के कारण संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है।यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

प्रश्न पत्रों को परीक्षा केंद्रो तक पहुंचाने प्रतिनिधि नियुक्त

उमरिया। हाईस्कूल,हायर सेकेंडरी वर्ष 2006 की मुख्य परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्राध्यक्षो के साथ संबंधित थानों से प्रश्न पत्र प्राप्त किए जाने से लेकर परीक्षा केन्द्रो पर पहुंचाने हेतु कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किया है। करकेली विकासखंड के शासकीय उमावि लोढा के लिए रचिता श्रीवास्तव सहायक विकासखंड अधिकारी , शासकीय उमावि मजमानीकला के लिए आसुतोष सिंह, मानपुर विकासखण्ड के शासकीय हाई स्कूल मुडगुडी के लिए सौरभ बर्मन एडीईओ जनपद मानपुर, शासकीय उमावि ताला के लिए बसंत नापित पटवारी, शासकीय उमावि घुनघुटी के लिए बंदना रत्नम परियोजना पाली तथा शासकीय उमावि बडवाही के लिए उमेश श्रीवास्तव सहायक विकासखंड प्रबंधक एनआरएलएम को नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि दिशा-निर्देशानुसार कार्य करना सुनिश्चित करें ,परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्षो से समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रातः 7 बजे संबंधित थानों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करे।

दशरथ घाट सड़क निर्माण में ठेकेदारी गुंडागर्दी

आस्था की राह में भ्रष्टाचार का मुरुम वन संपदा का सीना चीरकर अवैध उत्खनन

मानपुर। विकास की आड़ में विनाश का खूनी खेल कैसे खेला जाता है, इसका जीता-जागता उदाहरण मानपुर विधानसभा के ग्राम हिरौली में देखने को मिल रहा है। ऐतिहासिक और पौराणिक दशरथ घाट संगम के कायाकल्प की योजना को ठेकेदार की मनमानी और लालच ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया है। जिस धर्मस्थली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना था, उसे ठेकेदार ने अवैध उत्खनन का अड्डा बना दिया है।

न वन विभाग का खौफ, न परवाह

मानपुर से शहडोल मार्ग तक बन रही लगभग 3 किलोमीटर की इस सडक़ में नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मझौली बीट अंतर्गत आने वाली वन भूमि और नदी के किनारों को जेसीबी मशीनों से छलनी कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, ठेकेदार ने न तो वन विभाग से अनुमति ली और न ही खनिज या राजस्व विभाग से उत्खनन की स्वीकृति ली गई। रसूखदारों की जेसीबी लगाकर हजारों ट्रॉली मुरुम का अवैध उत्खनन कर सडक़ पर बिछा दिया गया, जो सीधे तौर पर शासन को लाखों के राजस्व की चपत है।

विरोध देख भागे खनन माफिया

ठेकेदार की इस मनमानी के खिलाफ अब जनमानस लामबंद हो गया है। ग्राम मझौली निवासी बालगोविंद यादव के नेतृत्व में जब ग्रामीणों का समूह मौके पर पहुंचा और कार्य रोककर विरोध दर्ज कराया, तो हडक़ंप मच गया। ग्रामीणों ने जैसे ही विभाग से शिकायत की बात कही, वैसे ही रसूखदार जेसीबी मालिक और ट्रैक्टर चालक मौके से रफूचक्कर हो गए। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि हमें विकास और पर्यटन स्थल से परहेज नहीं है, लेकिन प्राकृतिक संपदा, वनों और नदियों का अस्तित्व खत्म कर बनाई जा रही सडक़ हमें कतई मंजूर नहीं।

अधिकारियों की चुप्पी पर उठे सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि टाइगर रिजर्व की सीमा और मझौली बीट के नाक के नीचे इतना बड़ा अवैध उत्खनन हो कैसे गया, क्या विभागीय अधिकारियों ने ठेकेदार को खुली छूट दे रखी है, प्राकृतिक नालों और नदी किनारों को नष्ट करना पर्यावरण के साथ बड़ा खिलवाड़ है। जागरूक नागरिकों ने जिला दंडाधिकारी, एसडीएम मानपुर और खनिज विभाग से मांग की है कि तत्काल मौके पर जाकर जांच की जाए। अवैध रूप से खोदी गई मुरुम की नपाई हो और दोषी ठेकेदार पर जुर्माना लगाते हुए उसका ठेका ब्लैकलिस्ट किया जाए।

जैतहरी में 16 फरवरी को होगा सामूहिक विवाह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा जारी किए गए निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारित की है। जिसके अनुसार 16 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत जैतहरी के जनपद पंचायत प्रांगण में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नगरपालिका परिषद अनूपपुर तथा नगर परिषद जैतहरी, बरगवां (अमलाई) तथा जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायतों के वर-वधु सम्मिलित होंगे।

होटल में छापा मारते हुए पांच जुआरियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस ने मंगलवार की रात को वार्ड क्रमांक 1 मित्रों होटल में छापा मारते हुए पांच जुआरियों को गिरफ्तार करते हुए ताश के पत्ते व नगदी रुपए बरामद किया है। बताया जाता है कि लंबे समय से चल रहे जुआ अड्डे में जैसे ही पुलिस का छापा पड़ा जुआ में दाव लगाने वालों में भगदड़ मच गई। कई बड़े व्यापारी आनंन फानन में छत से कूद कर भागते नजर आए। मौके पर अविनाश 25 वर्ष वार्ड 1 दफाईटोला, राजेश निवासी पुरानी बस्ती, राहुल वार्ड 3, गुलाब एवं सूरज शामिल रहे। आरोपियों के कब्जे से नगदी 3570 रुपए नगद ताश के 52 पत्ते जप्त कर 13 जुआ एक्ट का मामला दर्ज किया गया। बताया जाता है कि आरोपियों के राजनैतिक परिवार से जुड़े होने के कारण छापा पड़ने की खबर तेजी से फैल गई। आरोपियों को छुड़ाने के लिए आधी रात तक सरगर्मी बनी रही। देर रात पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि लंबे समय से जुआ संचालित होने की खबर आ रही थी जिसके बाद छापामार कार्यवाही की गई।

बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पादित कराने प्रतिबंधात्मक निषेधाज्ञा आदेश लागू

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्यप्रदेश की हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी आदि की परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए अनूपपुर जिले में शांतिपूर्ण ढंग से बोर्ड की परीक्षा सम्पादित कराए जाने व परीक्षार्थियों को ध्वनि प्रदूषण से मुक्त रखे जाने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने समस्त जनसाधारण के विरुद्ध म.प्र कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 के नियम-10 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनूपपुर जिले की सीमाक्षेत्र में प्रतिबंधात्मक निषेधाज्ञा आदेश 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक के लिए लागू किया है। आदेश में कलेक्टर ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 यथासंशोधित के नियम-3(1) तथा 4(1) के अनुसार नियमावली के शेड्यूल में अंकित अनुमत्य अधिकतम ध्वनि सीमा 1/4 वॉल्यूम में (ध्वनि स्तर परिवेशी ध्वनि

10 डेसीबल के अनधिक) के अन्तर्गत ध्वनि मानकों के प्रावधानों का पालन करते हुए सामान्यतः मध्यम आकार के अधिकतम 02 डी.जे. के प्रयोग की ही अनुमत्य होगी। डी.जे. व लाउडस्पीकर की विधिवत अनुमति संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से लिया जा सकेगा। किसी भी संस्था/व्यक्ति द्वारा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 यथासंशोधित के प्रावधानों का पालन करते हुये ही ध्वनि विस्तारक यंत्र/लाउडस्पीकर/डी.जे. का प्रयोग रात्रि 10.00 बजे तक किया जा सकेगा। ऐसे कार्यक्रम जिनमें नियमों का पालन न करते हुए डी.जे. या ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का अनियंत्रित रूप से प्रयोग किया जाता है, तो उनके आयोजकों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यदि पाया जाता है कि किसी शासकीय अधिकारी/कर्मचारी, जिसका ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 यथासंशोधित के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने का दायित्व था, परन्तु उसके द्वारा ऐसा न करने के कारण किसी धार्मिक स्थल/सार्वजनिक स्थल अथवा कार्यक्रम में नियम विरुद्ध ध्वनि विस्तारक यंत्र/लाउडस्पीकर/डी.जे. प्रयोग में लाया गया हो तो जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध यथोचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

माँ काली की पावन धरा पर श्री अद्भुत रामायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ

विशाल कलश यात्रा से गूंज उठा जमुना कोतमा

हरिभुमि न्यूज बदरा/जमुना। माँ नर्मदा की पावन धरती पर स्थित माँ काली मंदिर प्रांगण में आज 4 फरवरी, बुधवार से श्री अद्भुत रामायण महायज्ञ एवं भव्य संगीतमयी श्रीराम कथा का श्रद्धा व भक्ति के साथ भव्य शुभारंभ हुआ यह धार्मिक अनुष्ठान 12 फरवरी तक प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर दोपहर 2:30 बजे काली मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए भक्ति और उल्लास का संदेश देती रही मंत्रोच्चार के साथ कलश यात्रा को राम अवध सिंह अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पसान द्वारा विधिवत रवाना किया गया यात्रा में हजारों की संख्या में माताएं-बहनें सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं, वहीं रथ पर

विराजमान कथा वाचक एवं यज्ञाचार्य आकर्षण का केंद्र रहे। "जय श्रीराम" के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। इस पावन आयोजन में कथा वाचन का दायित्व जया मिश्रा (श्रीधाम वृंदावन) को प्राप्त हुआ है, जिनकी ओजस्वी वाणी से प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से हरि इच्छा तक श्रीराम कथा का रसपान श्रद्धालु करेंगे यज्ञ का संचालन यज्ञाचार्य लोकेश्वर महाराज के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। इस अवसर पर रूपेश उर्फ गुड्डू मिश्रा, अन्नू मिश्रा गायक, सरजू भैया ट्रेड यूनियन लीडर विजय सिंह बीएमएस अध्यक्ष सचिन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु उपस्थित।

शासकीय मिडिल स्कूल कन्या बस्ती में शिक्षक अभिभावक बैठक सम्पन्न

उपस्थिति, अपार आईडी, प्रवेश, प्रशासनिक व्यवस्था व स्वच्छता पर हुई विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से शासकीय मिडिल स्कूल कन्या बस्ती अनूपपुर में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में छात्राओं के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विद्यालय की गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अजय प्रसाद द्वारा की गई। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय और अभिभावक जब एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तभी बच्चों का शैक्षणिक, बौद्धिक और नैतिक विकास संभव हो पाता है। उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के महत्व पर विशेष जोर देते हुए बताया कि निरंतर स्कूल आने से बच्चों के सीखने की क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। बैठक के दौरान अपार आईडी निर्माण, नवीन प्रवेश प्रक्रिया, प्रशासनिक व्यवस्थाएं, शैक्षणिक गतिविधियां, अनुशासन, स्वच्छता अभियान तथा विद्यालय के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। शिक्षकों ने अभिभावकों को शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए बच्चों को इनका लाभ दिलाने के लिए सहयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर शिक्षिका सरिता प्रजापति, शैल शर्मा, एस. स्वाती राव सहित अन्य शिक्षकगणों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई,

गृहकार्य, व्यवहार, अनुशासन तथा स्वच्छता की आदतों पर अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। शिक्षकों ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की पढ़ाई पर नियमित ध्यान दें और विद्यालय से निरंतर संपर्क बनाए रखें। बैठक में उपस्थित चेतन प्रसाद चौधरी और अन्य अभिभावकों ने भी खुलकर अपने सुझाव एवं समस्याएं साझा कीं तथा विद्यालय प्रबंधन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण सकारात्मक, संवादात्मक और प्रेरणादायक रहा। इस बैठक ने विद्यालय और अभिभावकों के बीच आपसी विश्वास एवं समन्वय को और अधिक सुदृढ़ किया, जिससे छात्राओं के शैक्षणिक स्तर में निश्चित रूप से सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

ऑटो चालकों की मनमानी, वसूल रहे मनमाना किराया

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर में आटो एवं ई-रिक्शा की इतनी अधिक संख्या हो गई है कि प्रायः इनकी वजह से जाम लग जाता है। लेकिन प्रशासन की ओर से इन आटो अथवा ई-रिक्शा के किराए का निर्धारण न होने से नागरिकों को परेशानी होती है। नगर में आटो चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूला जा रहा है। हाल यह है कि बिना किसी रोकटोक के संचालन के कारण आटो वाले सौ ढेड़ सौ रुपये से कम किराया लेते ही नहीं इतना ही नही कोतमा से निगवानी गांव की दूरी 12 किलोमीटर है जिसका किराया 30 रूपया लिया जा रहा है इस वजह से आए दिन सवारियों से विवाद भी होता है। लेकिन धौंस के बल पर लोगों को चालक चुप करा देते हैं। नगर में मुख्य रूप से बस स्टैंड से बाजार टैक्सी स्टैंड से भालूमाड़ा, जमुना, गोबिंदा, लहसुई कैंप कालोनी, रेलवे स्टेशन से भी आटो ई रिक्शा का संचालन किया जाता है साथ ही कोतमा मुखर्जी चौक से निगवानी के लिए नगर में मुख्य रूप से इन मार्गों पर ही आटो या ई-रिक्शा का संचालन किया जाता है। इनमें से किसी भी मार्ग पर किराया का निर्धारण नहीं किया गया है। आटो चालक अपने स्तर से किराया निश्चित कर लिए हैं मनमाना किराया भी लिया जाता है। इसमें रात के समय महिला यात्री होने पर आमतौर पर मनमाना किराया लिया जाता है। इतना ही नहीं कम दूरी के लिए भी कोई किराया तय नहीं है। जो मांग लिया वह लेना ही है। यदि किसी ने आपत्ति की तो विवाद होना तय है। शायद ही ऐसा कोई दिन होता हो जबकि कहीं न कहीं विवाद न हो।

सवारी की संख्या भी निश्चित नहीं है

इन आटो या ई-रिक्शा में किराया तो तय नहीं है। साथ ही यह भी तय नहीं है कि एक आटो या ई-रिक्शा मे एक साथ कितनी सवारी बैठा सकता है। यही वजह है कि सवारी को ठूस कर बैठाया जाता है। इससे दुर्घटना का जो खतरा होता है वह तो होता ही है। सवारियों की हालत खराब हो जाती है। विशेषकर महिला व बच्चे एकदम से पिस जाते हैं। इसके लिए न तो गाइड लाइन का ध्यान दिया जाता है और न ही यातायात नियमों का। जबकि आये दिन परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस यातायात सप्ताह का आयोजन करती है। जो सार्वजनिक वाहन हैं उनके किराया निर्धारण के लिए प्रशासन को आगे आकर किराए का निर्धारण करते हुए आम जनता को राहत पहुंचानी चाहिए। पूर्व मे परिवहन विभाग के द्वारा जिला मुख्यालय अनूपपुर एवं अमरकंटक में ऑटो चालकों की बैठक बुलाते हुए किराए का निर्धारण किया गया था और प्रत्येक ऑटो में किराया सूची चस्पा की गई है। जिला परिवहन एवं यातायात विभाग को तहसील मुख्यालय में भी ऑटो चालकों की बैठक लेते हुए किराए का निर्धारण करते हुए ऑटो में किराया सूची चस्पा करवानी चाहिए जिससे आमजन को राहत मिल सके। कोतमा नगर में हाल यह है कि ऑटो चालकों के द्वारा यदि बस स्टैंड से तहसील जाना है या गोविंदा लहसुई कैंप तथा बाजार तक जाना है तो डेढ़ सौ रुपए से कम किराया नहीं लेते हैं चाहे एक सवारी ऑटो में बैठे जिसके कारण लोग ऑटो चालकों की मनमानी के कारण लूट रहे हैं। नागरिकों ने जिला परिवहन एवं यातायात विभाग से ऑटो का किराया निर्धारण करवाते हुए प्रत्येक ऑटो में किराया सूची चस्पा करवाए जाने की मांग की है।

इनका कहना है

जिला परिवहन विभाग से किराया निर्धारण के संबंध में चर्चा करने के साथ ही सड़क सुरक्षा समिति में भी हमारे द्वारा प्रस्ताव रखा जाएगा जल्द ही संयुक्त बैठक आयोजित करते हुए किराया निर्धारण के साथ ही ऑटो में किराया सूची चश्मा करवाए जाने की कार्यवाही की जाएगी।

विनोद दुबे, यातायात प्रभारी
जिला अनुपपुर

खबर संक्षेप

डीएसपी रिषभ छारी ब्यौहारी-से हुये विदा

ब्यौहारी। 3 महीने थाना प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले डीएसपी रिषभ छारी का विदाई समारोह आयोजित किया गया एसडीओपी मुकेश अविंद्रा द्वारा कहा गया कि अपने छोटे से कार्यकाल में अपराधियों , अवैध खनन एवं अवैध कार्यों पर उन्होंने प्रभावी कार्रवाई की विदाई समारोह में भागिरथी लहरें एस डी एम, मुकेश अविंद्रा एसडीओपी,सनी द्विवेदी नायब तहसीलदार,डां निशांत सिंह परिहार सीबीएमओ,डां डी के पाराशर,अजय बैगा थाना प्रभारी जैसिंनगर, ब्रिजेन्द्र मिश्रा पपौंध,सुभाष दुबे देवलोंद,,मौजूद रहे समस्त स्टाफ ने को विदाई समारोह किया समारोह एसडीओपी मूकेश अविंद्रा का आज ही जन्मदिन होने के कारण डीएसपी ने केक काटकर जन्मदिन मनाया डीएसपी को उनके कार्य की सराहना की और कहां आप जहां भी रहे खुशहाल रहें यही मेरी दिल से कामना है थाना का समस्त स्टाफ भी कार्यक्रम में मौजूद हुआ ।

विश्व नम भूमि दिवस पर विद्यार्थीयों को कराया भ्रमण

बरही। तहसील अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार पर 2 फरवरी को विश्व नम भूमि दिवस शास.उच्च. माध्य .विद्यालय खितौली में मनाया गया। जिसमें ईको क्लब के विद्यार्थी एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे विद्यालय के प्रभारी शिक्षक जय प्रकाश चौधरी एवं कार्यक्रम में समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे है विद्यार्थियों को जल सोत्र भ्रमण के शासकीय डैम में ले जाया गया, जहां नम भूमि की अनिवार्यता तथा उसके लाभ के बारे मे छात्र छात्राओं को जानकारी देकर अवगत कराया गया व नदी के आसपास स्वच्छता रखें शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को नम भूमि दिवस के उपलक्ष्य पर विस्तृत जानकारी एवं महत्व को बताया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण तथा प्राकृतिक की हरियाली बनी ताकि शुद्ध आक्सीजन मिल सके इसके लिए विद्यार्थियों को पेड़ लगाने के लिए बोला गया है।कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार भी कराया गया। कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थित शिक्षिका साधना सोनी पुष्पांजलि विश्वकर्मा शिक्षक सचिन गुप्ता राजीव विश्वकर्मा विक्रम पटेल श्रीराम तिवारी हंसलाल चौधरी महेंद्र सिंह मार्को अरविंद विश्वकर्मा विनोद कुमार सेन व स्कूल के अध्यनरत विद्यार्थीयों रहें।

स्वतंत्रता सेनानियों के वंशज के कार्यक्रम में शामिल हुए राकेश जैन

कटनी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मार्गदर्शन एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार कांग्रेस प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अजय सीतलानी के संयोजन में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशज एवं उत्तराधिकारियों की उपस्थिति में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी के विचारों को आज दुनिया के 400 करोड़ लोग मानते हैं तथा गांधी जी की प्रतिमा आज भी 150 देश में लगी है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीदों के वंशज हमारे लिए सम्मानीय हैं। आयोजन में कटनी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशज राकेश जैन कक्का, सुरेंद्र दुबे, शहजाद खान को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट पुलिसिंग के लिए 5 पुलिसकर्मी सम्मानित

कटनी। जिले में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, संवेदनशील और प्रभावी बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा एक नई पहल 'साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम' शुरू की गई है। सम्मानित होने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों में निरीक्षक राजेंद्र मिश्रा (थाना प्रभारी, कुठला) उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक संतोष प्रजापति, आरक्षक अजय शंकर (सायबर सेल) एवं आरक्षक लव उपाध्याय शामिल हैं।

पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

ब्यौहारी।

पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ के द्वारा आज पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती वंदना वदोंपाध्याय से मुलाक़ात कर ब्योहारी आगमन पर पुष्प गुच्छ से स्वागत किया और कटनी -सिंगरौली रेलखंड के कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपने का कार्य किया। जिसमें मज़दूर संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कटनी -सिंगरौली रेलखंड में कार्यरत कर्मचारियों को विभिन्न समस्याओं के बीच रहकर कार्य करना पड़ रहा है। यहाँ पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में आवास नहीं है जिससे कई कर्मचारियों को बाहर क्वाटर लेकर रहना पड़ रहा है। जिससे उनके परिवार को कई तरह की समस्यायें होती है। ब्यौहारी, छतैनी, दुबारी कला, शंकरपुर भदौरा सहित कई रेलवे स्टेशनों में स्वच्छ पानी नहीं होने से कर्मचारियों को बाहर से (गांवों) पानी लाना पड़ता है। संघ ने मांग की है कि संबंधित स्टेशनों में पानी के लिए आरो प्लांट लगाकर साफ़ पानी की सप्लाई कराई जाए। रेलवे कालोनियों में बच्चों को खेलने के लिए कई बाल उद्यान प्रस्तावित है लेकिन उनका निर्माण आज तक नहीं कराए जाने से कर्मचारियों में रोष व्याप्त है तो बाल उद्यान जल्द से जल्द बनवाया जाए। रेलवे आवासों में कई जगह के टाइल्स टूटी हुई है, दरवाज़े खिड़की टूटे हुए है जिसकी शिकायत कई बार कर्मचारी वरिष्ठ खंड अभियंता (कार्य) से किए लेकिन उनका निराकरण नहीं होने की जैसे ही यूनियन पदाधिकारियों के संज्ञान में आया इस मुद्दे को लेकर महाप्रबंधक महोदया के

समक्ष रखने का कार्य किया और निराकरण का आश्वासन दिलाया गया। रेल कर्मचारियों की बहुप्रशिक्षित मांग पर की चर्चा पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ के द्वारा हमेशा से ही एलडीसी ओपन टू आल को लेकर इसकी माँग करती आई है और जैसे ही सामान्य निरीक्षण में महाप्रबंधक महोदया के आने की जानकारी लगी उसी दौरान ब्योहारी ब्रांच के पदाधिकारियों ने जीएम मैडम से जाकर एलडीसी ओपन टू आल कराने को लेकर अपनी माँग रखी साथ ही व्ही भी मुद्दा रखा कि आने वाली भर्तियों में सभी विभाग के कर्मचारियों को विभागीय भर्ती गार्ड, स्टेशन मास्टर, लोको पायलट सहित अन्य पदों पर सभी को समान अवसर प्रदान कराने की माँग की गई। इस दौरान ब्यौहारी ब्रांच के उपाध्यक्ष रामरहीश पटेल, उपाध्यक्ष अखिलेश वर्मा, आवास समिति के सदस्य और युवा सचिव व्योमकेश पाण्डेय, सहायक सचिव विपिन गुप्ता, ओम प्रकाश बिंद, देवांश गौतम, कमलेश साहू सहित कई युवा नेता मौजूद रहें। प्रशासन के कर्मचारियों की सुविधाओं को बढ़ाने के साथ कॉलोनियों में सीसीटीवी कैमरे लगाकर यहां की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता कराने को लेकर आज माँग पत्र सौंपा गया। ब्रांच उपाध्यक्ष रामरहीश पटेलपश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ हमेशा से कर्मचारियों के सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए हमेशा से ही तत्पर रहती है कहीं भी किसी प्रकार की प्रशासन के द्वारा कर्मचारी हित के ख़िलाफ़ कार्य करती है तो तुरंत ही प्रशासन के ख़िलाफ़ जाकर कर्मचारी हित पर बात कराने का कार्य करती है।

सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति को तत्परता से पहुंचाया अस्पताल

रसपुर के जीआर एस ने स्वयं की गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

ब्यौहारी

थाना व्यवहारी के अंतर्गत खड्डा के बिजोरा के पास व्यवहारी से अपने गांव पुरैना जा रहे गंगाराम पटेल 55 वर्ष दोपहर 12:00 बजे अनियंत्रित होकर उनकी लूना डिवाइडर से टकरा गई वह अचेत हालत की पड़े हुए थे आसपास से निकल रहे लोग ध्यान नहीं देते इस दौरान 12:30 बजे रसपुर के ग्राम रोजगार सहायक रामानंद पटेल निकले तो उन्होंने अपनी गाड़ी से तुरंत उनको अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों द्वारा गंभीर स्थिति को देखते हैं रीवा के लिए रेफर किया मध्य प्रदेश सरकार की राहवीर योजना सड़क पर पड़े हुए ऐसे लोग की मदद के लिए है जिनको कोई नहीं ध्यान देता ऐसे लोगों को समय से अस्पताल पहुंचाने वालों के लिए सरकार द्वारा राहवीर योजना चलाई गई है रामानंद पटेल ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार की इस योजना के बारे में जब पुलिस और डॉक्टर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है उनको इस योजना के बारे में पता ही नहीं तो वह लोगों को कैसे लाभ दिलाएंगे जबकी ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करें तो सड़क पर पड़े काफी लोगों की जान बच सकती है ।

ट्रेनों का स्टॉपेज करने के लिए महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज बरही

बरही नगर के खन्ना बंजारी रेलवे स्टेशन मैं ट्रेनों का स्टॉपेज कराने बरही नगर परिषद के अध्यक्ष पीयुष अग्रवाल ने अपने साथियों के साथ महाप्रबंधक महोदय को ज्ञापन सौंपा व निवेदन करते हुए कहा जनहित धार्मिक एवं पर्यटन विकास तथा राज्य शासन की टाइगर कॉरिडोर एवं ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के परीप्रेक्षय में सप्ताहिक ट्रेनों का खन्ना बंजारी रेलवे स्टेशन बरही में ठहराव की स्वीकृति प्रदान किया जावें हावड़ा भोपाल साप्ताहिक एक्सप्रेस कोलकाता अहमदाबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस कोलकाता मदार साप्ताहिक एक्सप्रेस रुकना चाहिए जिससे यात्रियों को सफर करने में सहूलियत मिल सकें रेलवे स्टेशन की सीमा से लगा हुआ टाइगर रिजर्व बांधवगढ़

जैविक खेती का दिया जा रहा प्रशिक्षण

राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों का आना जाना बना रहता है वह विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी मैहर शारदा धाम की सीमा बरही से जुड़ी हुई है स्टॉपेज इन गाड़ियों का अनिवार्य है सांतरगाछी अज़मेर सप्ताहिक एक्सप्रेस मुंबई धनबाद एलटीटी स्पेशल एक्सप्रेस। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, रेल विकास समिति बरही के अध्यक्ष प्रवीण त्रिवेदी डब्बू, संतोष द्विवेदी, सुरेश सोनी पंडा, सरमन सोनी, इक़बाल पवार पत्रकार, गुड्डु राव नंदू गुप्ता, ज्योति उपाध्याय, किरण ठाकुर, न्यूम खान पप्पू, तीरथ पटेल, रजनीश नामदेव, मोहन सिंह गोंड़ आदि शामिल हैं।

5 फरवरी को दोपहर दो बजे भूमि पूजन किया जायेगा

हरिभुमि न्यूज कोतमा।

आखिर नगर की बहुप्रतीक्षित संयुक्त कार्यालय की मांग पूरी होने जा रही है। एसडीयम टीआर नाग, तहसीलदार दशरथ सिंह ने बताया कि कोतमा नगर के तहसील परिसर में संयुक्त कार्यालय खोले जाने के लिए 5 फरवरी को दोपहर दो बजे भूमि पूजन किया जायेगा है उन्होंने बताया कि संयुक्त कार्यालय बनाए जाने का शासन के द्वारा पीआईयू विभाग को टेंडर दिया गया है। बता दे की वर्ष 2017 से कोतमा नगर में सभी विभागों के संयुक्त कार्यालय खोले जाने को लेकर अभियान चलाते हुए समाचार प्रकाशित किया जा रहा है। कोतमा क्षेत्र आदिवासी क्षेत्र होने के साथ ही अति पिछड़ा क्षेत्र है। यहां के नागरिक विकास को लेकर तरस रहे हैं। कहने को तो कोतमा विधानसभा क्षेत्र सामान्य क्षेत्र घोषित हो गया है और चौथी बार यहां से सामान्य सीट पर विधायक चुने गए हैं। जो संभाग से इकलौते मंत्री हैं। लेकिन आज भी इस क्षेत्र मे पूरी तरह से विकास कार्य नहीं हो पाया विधानसभा क्षेत्र में खंड स्तरीय कार्यालय संचालित नहीं होने से नागरिकों एवं ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता था।

पूर्व में की गई थी घोषणा

बर्ष 2018 मे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा कोतमा में विकास यात्रा के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्वर्गीय राजेश सोनी के मांग पत्र पर मंच से कोतमा मे खंड स्तरीय कार्यालय खोले जाने की घोषणा की थी। लेकिन उस घोषणा में मात्र पीएचई विभाग का कार्यालय ही संचालित हो पाया था घोषणा किये सात बर्ष हो गये थे।

घोषणा पर घोषणा

खंड स्तरीय कार्यालय कोतमा में संचालित किये जाने को लेकर 16 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव के अनुपपुर आगमन पर कोतमा मे सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय खोले जाने को लेकर मांग पत्र सौंपा गया था जिस पर मुख्यमंत्री के द्वारा मंच से घोषणा की गई थी कि जल्द ही कोतमा मे सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय खोला जाएगा लेकिन बीस माह बीतने के बाद भी घोषणा पर अमल नही हो पाया। लेकिन अब 5 फरवरी को भूमि पूजन किये जाने से लोगों की आस बधती नजर आ रही है।

समय एवं पैसा होता है बर्बाद

कोतमा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आज भी जिला मुख्यालय छोटे से काम के लिए जाना पड़ता है जिसके कारण लोगों का समय एवं पैसा भी बर्बाद होता है और जब काम नहीं होता है तो बैरंग वापस लौट आते हैं और शासन को कोसते नजर आते हैं। अभी तक नागरिकों को यह जानकारी नहीं हुई है कि कोतमा में खंड स्तरीय कार्यालय खोले जाने को लेकर कार्यवाही कहां तक पहुंची है या यह भी महज घोषणा साबित होकर रह जाएगी। या ऐसे ही क्षेत्र के नागरिकों को झुनझुना पकड़ाया जायेगा।

आसानी से होगे काम- अजय सराफ

कोतमा नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने बताया कि हमारा क्षेत्र आदिवासी क्षेत्र है साथ ही आर्थिक स्थिति अधिकांश लोगों की सही नही है। सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय नही होने के कारण यहां के नागरिकों को छोटे से छोटे काम के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता था। जिसके कारण लोगों को परेशानी होती थी साथ ही आर्थिक बोझ भी उठना पड़ता है। लेकिन संयुक्त कार्यालय नगर में खोले जाने की घोषणा पर 5 फरवरी को अमल होने जा रहा है जिसका भूमि पूजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। जिससे नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को संयुक्त कार्यालय खुल जाने के बाद आसानी से स्थानीय स्तर पर ही काम होने शुरू हो जाएंगे।

लोगों की दूर हो जायेगी परेशानी-रिषी तिवारी

कांग्रेस नेता रिषी तिवारी ने कहा कि जानकारी मिली है कि कोतमा नगर के तहसील परिसर मे संयुक्त कार्यालय का भूमिपूजन किया जाना है। अगर नगर मे संयुक्त कार्यालय का भवन बनने के बाद संयुक्त कार्यालय संचालित हो जायेगा जिससे यहां के नागरिकों एवं ग्रामीणों को छोटे से छोटे कार्य करवाये जाने हेतु जिला मुख्यालय नही जाना पड़ेगा सभी विभागों के कार्यालय एक जगह होने से लोगों की परेशानी दूर हो जायेगी।

समय एवं पैसे की होगी बचत- श्रीमती आशा सिंह

जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत बसखली की सरपंच श्रीमती आशा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा कोतमा मे खंड स्तरीय कार्यालय खोले जाने की घोषणा साल 2024 मे की गई थी लेकिन बीस माह बीतने के बाद भी घोषणा पर अमल नही हो रहा था लेकिन अब जानकारी मिली है कि 5 फरवरी को तहसील परिसर में संयुक्त कार्यालय के भवन का भूमि पूजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है भवन बन जाने से एक ही छत के नीचे सभी विभागों के खंड कार्यालय खुल जाएंगे जिससे ग्रामीण जनों को छोटे से कार्य के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा जिससे नागरिकों को समय एवं पैसा का भी बचत होगा ।

उठाना पड़ता था आर्थिक बोझ- ललित सिंह

ग्रामीण ललित सिंह का कहना है कि कोतमा में सभी विभागों का संयुक्त कार्यालय नही होने के कारण हम ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था छोटे छोटे जरूरी कामों के लिए हमें जिला मुख्यालय जाना पड़ता है जिसके कारण परेशानी होती है और जब काम नहीं होता है तो हमें बैरंग वापस लौटना पड़ता है जिसके कारण आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है। लेकिन अब खंड स्तरीय कार्यालय की सुविधा मिलने की जानकारी हुई जिसके भवन के निर्माण कार्य के लिए 5 फरवरी को भूमि पूजन किया जाना है।

जल संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु सभी वार्डों में आयोजित हुई जल सुनवाई

हरिभूमि न्यूज कटनी

राज्य शासन एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर नागरिकों की पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु मंगलवार 3 फरवरी को नगर के समस्त वार्डो में वार्ड स्तरीय जल सुनवाई का आयोजन किया जाकर नागरिकों के 21 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। जल सुनवाई के दौरान गठित वार्ड स्तरीय कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के निर्धारित स्थलों पर उपस्थित रहकर नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए। इस दौरान उपस्थित आम नागरिकों से उनके यहां आपूर्ति किये जा रहे पेयजल के संबंध में फीडबैक भी लिया गया। कार्यपालन यंत्री श्री सुधीर मिश्रा जल प्रदाय ने बताया कि मंगलवार को आयोजित वार्ड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कुल 21 नागरिकों द्वारा उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं सुझावों से संबंधित प्रकरण प्रस्तुत किये। वहीं जल नमूनों की जांच कराने हेतु पहुंचे 57 नागरिकों की शंकाओं एवं शिकायतों का निराकरण उनके समक्ष ही जांच कराकर किया गया तथा परीक्षण रिपोर्ट से संबंधित नागरिकों को अवगत कराया गया। विदित हो कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर प्रयास किये जा रहे है। अभियान के अंतर्गत नगर निगम सीमा में पेयजल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई के साथ रोजाना नागरिकों से घर-घर संपर्क कर पानी के नमूने लिए जाकर आम नागरिकों को पेयजल की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में स्थित पानी की टंकियों, ओवरहेड टैंक, ट्यूबवैलों आदि की विधिवत सफाई भी करवाई जा रही है।

शिकायतों का निराकरण समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें

कम प्रगति एवं कार्यों में रूचि नहीं लेने वालों को नोटिस जारी करने दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज कटनी

सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से करना सुनिश्चित करें। शिकायतें नॉट अटेंड पाये जाने पर अधिकारियों की वेतन काटने की कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निगमायुक्त को पीएम स्वनिधि के अंतर्गत लंबित प्रकरणों में अधिक से अधिक ऋण स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को राज्य मानवाधिकार आयोग के लंबित प्रकरणों में समय पर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश दिये।

बैठक के दौरान पोषण ट्रैकर ऐप के अनुसार कुपोषित, गंभीर कुपोषित और पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती बच्चों की जानकारी सहित लाड़ली लक्ष्मी योजना में नवीन पंजीयन की समीक्षा की गई। लाड़ली लक्ष्मी योजना में कम पंजीयन पर कलेक्टर श्री

तिवारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी परियोजना अधिकारियों को अधिक से अधिक पंजीयन कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्ज्वला 3.0 योजना के तहत आदिवासी परिवारों की ई-केवाईसी करने और निःशुल्क गैस, चूल्हा व गैस-सिलेण्डर से लाभान्वित कराने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिये।

कलेक्टर श्री तिवारी ने उपसंचालक कृषि को ₹प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना₹ के तहत सोलर पंप वितरण का लक्ष्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दियें। योजनांतर्गत जिले के 559 किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पंप प्रदान किये जाने है। बैठक में कलेक्टर ने जनपद पंचायत रीठी, बड़वारा और ढ़ीमरखेड़ा को समग्र ई-केवाईसी कार्य में गति लाने के निर्देश दिये।

उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि एवं एनपीसीआई कैंपों में फार्मर आईडी रजिस्ट्री में कम प्रगति पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही कलेक्टर ने कम प्रगति वाले और कार्यों में रूचि नहीं लेने वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री तिवारी ने जिले में 12 जनवरी से शुरू हुये संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा करते हुये सभी विभागों को अपने विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को पोर्टल में ऑनलाईन दर्ज करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, नगरीय निकायों एवं तहसीलदारों को बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने से संबंधित लंबित आवेदनों पर कार्यवाही कर अभियान के अंतर्गत अगले एक सप्ताह में शत-प्रतिशत जन्म प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री तिवारी ने शिक्षा, पीएचई, जनसंसाधन, वन, राजस्व विभाग की लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने सभी डीडीओ को निर्देशित किया कि चेकलिस्ट के अनुसार एक बार में ही सभी आपत्तियों के निराकरण प्रकरण पेंशन अधिकारी की तरफ भेंजे। साथ ही उन्होंने पेंशन अधिकारी को भी निर्देश दिये के बिना चेकलिस्ट के प्रकरणों को स्वीकार न करें।

गांव में चल रही पैकारियों की शिकायत कलेक्टर की जन सुनवाई में पहुंची, कार्यवाही के दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज कटनी

जिला प्रशासन द्वारा हर मंगलवार की जनसुनवाई, अब आम लोगों के लिए भरोसे और समाधान का मंच बन गई है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने मंगलवार को बड़वारा पहुंच कर 48 फरियादियों की बात ध्यान से सुनीं। इस दौरान उन्होंने कई समस्याओं का मौके पर ही निराकृत कर दिया। जिन मामलों का तुरंत समाधान संभव नहीं था, उनके लिए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर और एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री तिवारी को ग्राम बड़वारा निवासी रामकुमार यादव पिता स्व. श्री मुलईराम यादव ने बताया कि मेरे समग्र परिवार आईडी में मेरी बेटी मनीषा यादव की सदस्य आईडी में पिता का नाम खाली है और माता के नाम में पिता का नाम दिख रहा है। जिसके कारण मेरी बेटी का आयुष्मान कार्ड में केवायसी नहीं हो रही है। मेरी बेटी का इलाज कटनी में चल रहा है। डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए कहा है। इस कारण मेरी बेटी के ईलाज हेतु आयुष्मान कार्ड नहीं चल पा रहा है। इस पर कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर जनसुनवाई के दौरान ही ई-केवाईसी कर दी गई।

जनपद पंचायत बड़वारा के उपाध्यक्ष रामसेवक दुबे ने कलेक्टर श्री तिवारी को अवगत कराया कि बड़वारा थाना के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जगह-जगह अवैध शराब की पैकारियां चलाई जा रही है। इस पर कलेक्टर श्री तिवारी ने बड़वारा थाना के टीआई को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान गुरूनानक वार्ड कटनी निवासी लक्ष्मण प्रसाद ने बताया कि ग्राम बडवारा खुर्द में स्थित खसरा नंबर 102 रकवा 0.43 हेक्टेयर भूमि के राजस्व अभिलेख में 1989 से पूर्व मेरा नाम लक्ष्मण प्रसाद दर्ज था। परंतु त्रुटि वश लक्ष्मण के स्थान पर लखन दर्ज हो गया। इस संबंध में नाम सुधार हेतु मेरे द्वारा पूर्व में आवेदन दिया गया था। परंतु अब तक नाम सुधार नहीं हो सका है। इस पर कलेक्टर श्री तिवारी ने एसडीएम कटनी को निश्चित समय-सीमा में नाम सुधार करने के निर्देश दिए। ग्राम बंजर बरेला निवासी कैलाश गुप्ता ने गरीबी रेखा में नाम जुड़वाने की मांग की कलेक्टर ने तहसीलदार नाम जुड़वाने के निर्देश दिये।

खबर संक्षेप

क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर जैतहरी के व्यापारी से 91 लाख की ठगी

अनूपपुर। क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा जैतहरी के व्यापारी से करीब 91 लाख 32 हजार रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित फरियादी राकेश कुमार अग्रवाल पिता गुलाबचन्द अग्रवाल उम्र 52 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 7 रेलवे स्टेशन के पास जैतहरी ने थाना जैतहरी में उपस्थित होकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिस पर पुलिस ने आरोपी पीटर पाल के खिलाफ सायबर अपराध के तहत वित्तीय धोखाधड़ी करने के मामले में बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरियादी के अनुसार रेलवे स्टेशन जैतहरी के पास उसकी गल्ले की दुकान है तथा क्रिश ट्रेडर्स जैतहरी नाम से उनकी फर्म संचालित है, जिसका खाता भारतीय स्टेट बैंक जैतहरी में है। 19 जनवरी को उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से मोबाइल नंबर 9993380442 से संपर्क किया गया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम पीटर पाल बताते हुए स्वयं को क्रिप्टो करेंसी मार्केट में सीनियर अकाउंट मैनेजर बताया और बेहतर रिटर्न दिलाने का भरोसा दिलाया। आरोपी द्वारा भेजे गए कम्पाउडेस डॉट टॉप लिंक के माध्यम से ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाकर पहले छोटे निवेश पर लाभ दिखाया गया, जिससे फरियादी को विश्वास में ले लिया गया। इसके बाद अलग-अलग तिथियों में आरोपी के बताए अनुसार विभिन्न बैंकों के खातों व यूपीआई आईडी पर लगातार रकम जमा कराई गई। फरियादी के अनुसार 22 जनवरी से 1 फरवरी के बीच यस बैंक, बंधन बैंक, एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इंडसइंड बैंक, सिटी यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया तथा यूपीआई के माध्यम से कुल 91 लाख 32 हजार 187 रुपये जमा कराए गए। आरोपी द्वारा हर बार बड़े मुनाफे और कमीशन का हवाला दिया गया, लेकिन राशि जमा कराने के बाद भी फरियादी को कोई पैसा वापस नहीं मिला। संदेह होने पर फरियादी ने बैंक से स्टेटमेंट निकलवाया, तब पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। आरोपी ने पूरा नाम और पता बताने से इनकार कर दिया तथा पैसे लौटाने में टाल-मटोल करने लगा। पीड़ित ने बैंक स्टेटमेंट सहित थाना जैतहरी में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी की कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने कोदो प्रोसेसिंग यूनिट का किया निरीक्षण

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली तथा पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने आज जैतहरी विकासखंड में उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अंतर्गत पात्र हितग्राही सुयश कुमार पटेल द्वारा स्थापित कोदो प्रोसेसिंग यूनिट, फुनगा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यूनिट में कोदो की प्रोसेसिंग प्रक्रिया, उपयोग में लाई जा रही मशीनों की कार्यक्षमता, उत्पाद की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था एवं पैकेजिंग कार्य का बारीकी से अवलोकन कर निर्देश दिए कि उत्पाद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि कोदो उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान उद्यानिकी विस्तार अधिकारी माखनलाल प्रजापति उपस्थित थे। कलेक्टर श्री पंचोली ने कोदो प्रोसेसिंग यूनिट के संचालक सुयश कुमार पटेल से यूनिट के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि यूनिट की स्थापना हेतु योजना अंतर्गत 35 प्रतिशत अनुदान प्राप्त किया गया है तथा वर्तमान में कोदो की प्रोसेसिंग कर उत्पादों को जबलपुर एवं शहडोल भेजा जा रहा है।

पुष्पराजगढ़ जनपद में जांच आदेश महज दिखावा

महीना बीता, न रिपोर्ट आई न जवाबदेही हुई तय

मामला उपयंत्री की देख रेख व छत्रसाय से पोषित ठेकेदार के निर्माण कार्य से जुड़ा हुआ

पुष्पराजगढ़ के आदिवासी और पिछड़े इलाके में घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार को लेकर समाचार में प्रकाशित खबर का असर कागजों तक ही सीमित नजर आ रहा है। 12 दिसंबर 2025 को जांच के आदेश जारी होने के बावजूद आज तक उपयंत्री अनिल मिश्रा द्वारा जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। वर्षों से कीचड़ में जी रहे ग्रामीणों के लिए सुविधा उपलब्ध करवाने बनाई गई पीसीसी सड़क और पुलिया निर्माण की घटिया स्तर का कार्य और चहेते ठेकेदार से कार्य करवाना और जांच रिपोर्ट कार्यालय तक न पहुंचना "चोर-चोर मौसेरे भाई" की कहावत को चरितार्थ करता दिखाई दे रहा है।

हरिभूमि न्यूज›अनूपपुर।

जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद की जुहिली पंचायत और आसपास के आदिवासी इलाकों में विकास के नाम पर हुए भ्रष्टाचार को समाचार पत्रों ने उजागर किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद 12 दिसंबर 2025 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ ने पीसीसी सड़क और आरसीसी पुलिया निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के निर्देश जारी किया गया था। पत्र में उपयंत्री अरविंद उईके को अखबार में छपी खबर का हवाला देते हुए दोषी मानते हुए जांच प्रतिवेदन तलब किया गया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट आज तक जनपद कार्यालय पुष्पराजगढ़ को प्रस्तुत नहीं की गई है। न तो किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति सुधारी और न ही जिम्मेदारों ने जवाबदेही दिखाई है। जिन आदिवासी गांवों में लोगों ने पीढ़ियों से कीचड़ के अलावा कुछ नहीं देखा, वहाँ सरकार द्वारा भेजी गई विकास राशि भी भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। जांच के नाम पर महज औपचारिकता होना प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

समाचार पत्रों की खबर के बाद प्रकाश में आया मामला

जुहिली पंचायत में पीसीसी रोड और पुलिया निर्माण में भ्रष्टाचार की परतें तब खुलीं जब स्थानीय समाचार पत्रों ने जमीनी हकीकत सामने रखी थी। खबर में बताया गया था कि सेमरटोला और खुर्रीटोला मार्ग पर किए गए निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हैं और कुछ ही दिनों में उखड़ने लगे। आदिवासी ग्रामीणों की शिकायतें, टूटती सड़कें और घटिया सामग्री की तस्वीरें सामने आने के बाद प्रशासन को पत्र जारी करना पड़ा। यह स्पष्ट हो गया कि यदि समाचार पत्र यह मुद्दा नहीं उठाता, तो आदिवासी क्षेत्र में हो रही यह लूट यूँ ही दबा दी जाती। मीडिया के दबाव में जांच आदेश तो निकले, लेकिन आगे की कार्रवाई अब तक गायब है।

आंकड़ों में लाखों खर्च, जमीनी हकीकत विपरीत

जांच पत्र में जिन कार्यों का उल्लेख है, उनमें पीसीसी आंतरिक मार्ग निर्माण (स्वीकृत राशि 9.35 लाख, व्यय 8.55 लाख) और आरसीसी पुलिया निर्माण (स्वीकृत 9.20 लाख, व्यय 9.00 लाख) शामिल हैं। कागजों में लाखों रुपये खर्च दिखाए गए, लेकिन हकीकत में तय मानक के विपरीत बनी सड़कें और पुलिया उखड़ रही हैं कंक्रीट के ऊपर सीमेंट रेत का लेपन कर अपनी कार्यगुजारी को छिपाया जा रहा है आदिवासी ग्रामीण सवाल कर रहे हैं कि जब पैसा पूरा खर्च हो गया, तो उन्हें भ्रष्टाचार से बनी सड़कों से क्यों गुजरना पड़ रहा है? यह फर्क साफ बताता है कि विकास योजनाएं जमीन पर नहीं, सिर्फ फाइलों में पूरी की जा रही हैं।

महीना बीता, जांच रिपोर्ट अब तक गायब

मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पत्र में एक सप्ताह के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आज तक उपयंत्री अनिल मिश्रा द्वारा कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। यह देरी सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की मिलीभगत की ओर इशारा करती है। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि जब जांच करने और रिपोर्ट तलब करने वाले एक ही तंत्र का हिस्सा हों, तो निष्पक्षता की उम्मीद कैसे की जा सकती है। यही कारण है कि "चोर-चोर मौसेरे भाई" की कहावत इस मामले में सटीक बैठती नजर आ रही है।

पुष्पराजगढ़ जनपद में जांच सिर्फ औपचारिकता?

पुष्पराजगढ़ का यह आदिवासी क्षेत्र वह है जहाँ लोगों ने वर्षों तक पक्की सड़क का सपना देखा, लेकिन हकीकत में उन्हें विकास के नाम पर भ्रष्टाचार के लेपनयुक्त, मानक के विपरीत निर्माण कार्य ही मिले है। अब जब भ्रष्टाचार सामने आया, तो जांच के नाम पर सिर्फ पत्राचार होता दिख रहा है। न तो निर्माण कार्य सुधारे गए, न ही दोषियों पर कार्रवाई हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार भले ही जनता की सुविधा के लिए करोड़ों रुपये आवंटित करे, लेकिन जब जिम्मेदार अधिकारी जांच को गंभीरता से न लें, तो वह विकास जनता तक घटिया निर्माण के रूप में पहुँचता है।

जवाबदेही तय होगी या फाइलों में दब जाएगा मामला?

एक महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भी जांच रिपोर्ट का न आना इस बात का संकेत है कि कहीं न कहीं मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश हो रही है। सवाल यह है कि क्या आदिवासी इलाकों में भ्रष्टाचार पर हमेशा इसी तरह लीपापोती होती रहेगी? समाचार पत्रों द्वारा उठाया गया यह मुद्दा अब सिर्फ सड़क और पुलिया का नहीं, बल्कि सरकारी धन की जवाबदेही और ईमानदार शासन का बन चुका है। यदि जल्द ही जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह साफ हो जाएगा कि जांच सिर्फ दिखावा थी, न्याय नहीं छलावा थी।

इनका कहना है

मुझे आज तक जांच रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है, जांच अधिकारी को रिमांडर दिया जाएगा।

गणेश पाण्डेय, सीईओ
जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़

नौसाद खान बना मजदूरों का दुश्मन, मशीनों से निगल रहा मनरेगा का हक

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। आदिवासी अंचल पुष्पराजगढ़ में जहां गरीब मजदूर आज भी रोज़ी-रोटी की तलाश में जम्मू, हैदराबाद जैसे महानगरों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं, वहीं स्थानीय स्तर पर ही मजदूरों के हक पर सबसे बड़ा डाका डाला जा रहा है।

मध्यप्रदेश शासन की रोजगारपरक योजनाओं को पलीता लगाते हुए ठेकेदार नौसाद खान मजदूरों का दुश्मन बनकर उभरा है। उस पर आरोप है कि वह विभिन्न पंचायतों में सरपंच, सचिवों को मोटा कमीशन देकर फ्यूरी मशीनों से पुलिया, सीसी रोड जैसे कार्य रातों-रात करा रहा है, जिसमें एक भी मजदूर को काम नहीं दिया जा रहा। गरीब मजदूर जहां दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं, वहीं नौसाद खान सरकारी बिल लगाकर दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई में जुटा है। बताया जाता है कि जनपद की लगभग 70 प्रतिशत पंचायतों में उसका जाल फैला हुआ है। सरपंच, सचिव, इंजीनियरों से सांठगांठ कर पहले एडवांस कमीशन तय किया जाता है, फिर मशीनों से काम कराकर मजदूरों के पेट पर सीधा वार किया जाता है।

इस खेल की बानगी ग्राम पंचायत पड़रिया में साफ देखने को मिली, जहां मेन रोड से उपस्वास्थ्य केंद्र की ओर करीब 230 मीटर लंबी सीसी रोड रातों-रात फ्यूरी मशीन से बना दी गई। इसी तरह राजेंद्रग्राम मुख्यालय में सब्जी मंडी क्षेत्र से पंकज के घर होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ की ओर जाने वाले रास्ते में लाखों रुपये की सीसी रोड मशीनों से डाल दी गई। इन कार्यों में एक भी स्थानीय मजदूर को मजदूरी का अवसर नहीं मिला। सरकार एक ओर मनरेगा और 'जय रामजी' जैसी योजनाओं का ढिंढोरा पीट रही है, तो दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि मशीनों के सहारे योजनाओं की आत्मा को कुचला जा रहा है। नौसाद खान फ्यूरी मशीन के दम पर 'जय रामजी' को मजदूरों के लिए 'जय राम जी' से 'जय मशीन जी' में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। यदि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाते, तो वह दिन दूर नहीं जब पुष्पराजगढ़ के गांवों में गरीब मजदूर अपने घरों में ताला लगाकर बाल-बच्चों के साथ पलायन को विवश होंगे। यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि आदिवासी अंचल के भविष्य पर सीधा हमला है।

अमरकंटक तक रेल विस्तार और औद्योगिक विस्तार से खुलेगा विकास का नया गलियारा

तीर्थ, पर्यटन, शिक्षा और रोजगार को मिलेगी नई रफ्तार
अमरकंटक सहित पूरे अंचल को होगा बहुआयामी लाभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के वरिष्ठ वकील अनूपपुर विकास मंच के सक्रिय पदाधिकारी वासुदेव चटर्जी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विकास की दिशा अक्सर सत्ता के गलियारों से नहीं, बल्कि ज़मीन से उठे सवालों से तय होती है। अनूपपुर शहडोल अंचल में वर्षों से रेल कनेक्टिविटी को लेकर उठती आवाज़, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश पाण्डेय की निरंतर न्यूज़ रिपोर्टिंग और उनके स्थायी जनपक्षीय कॉलम 'कक्का की चौपाल' में बार-बार रखे गए मुद्दों का ही परिणाम है कि अमरकंटक तक रेल विस्तार का लगभग 17 वर्ष पुराना सपना अब साकार होता दिख रहा है। रेल बजट 2025-26 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा शामिल किए गए नए रेल सर्वे प्रस्ताव इस बात का प्रमाण हैं कि जब मुद्दे ईमानदारी से उठाए जाते हैं, तो सरकारें उन्हें सुनती भी हैं और सार्वजनिक हित में स्वीकार भी करती हैं। रेल बजट में शामिल प्रस्तावों ने न केवल अमरकंटक बल्कि पूरे अनूपपुर शहडोल अंचल के विकास को नई दिशा देने की उम्मीद जगा दी है। यह फैसला वर्षों से कक्का की चौपाल, अख़बारों के कॉलम, जनसंवाद और जनप्रतिनिधियों की बैठकों में उठते उस बुनियादी सवाल का जवाब है कि खनिज, जंगल, तीर्थ और श्रम देने वाला यह क्षेत्र क्या हमेशा रेल नक्शे के हाशिये पर ही रहेगा।

धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से विश्वविख्यात नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक अब तक रेल सुविधा से वंचित रहा है, जिससे देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। रेल बजट दस्तावेज़ में पेंड्रा, अमरकंटक डिंडोरी, मंडला, घंसौर लगभग 200 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के लिए रिकॉनिसेंस इंजीनियरिंग कम ट्रैफिक सर्वे को स्वीकृति दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 0.50 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके साथ ही जबलपुर, पेंड्रा वाया डिंडोरी (240 किमी) नई रेल लाइन के सर्वे को भी शामिल किया गया है, जिससे महाकोशल, आदिवासी अंचल और उत्तरी छत्तीसगढ़ के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने की संभावना बनी है। शहडोल जिले के लिए जयसिंहनगर, शहडोल (50 किमी) नई रेल लाइन का सर्वे प्रस्ताव उस क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखता है, जहां कोयला, बॉक्साइट पत्थर रेत प्राकृतिक गैस पॉवर प्लांट जंगल और श्रम संसाधन तो हैं, लेकिन परिवहन कनेक्टिविटी वर्षों से सीमित रही है। वहीं अनूपपुर को इस बजट में केवल एक स्टेशन नहीं, बल्कि रणनीतिक जंक्शन के रूप में देखा गया है। अंबिकापुर गढ़वा (170 किमी) नई रेल लाइन का सर्वे, अनूपपुर फ्लाईओवर पसला बाई पास रोड से हारी रेलवे फाटक तक और पेंड्रा रोड शहडोल मल्टी ट्रैकिंग जैसे प्रस्ताव यह संकेत देते हैं कि अनूपपुर भविष्य में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल केंद्र बन सकता है।

इसके साथ ही झारसुगुड़ा, चांपा, बिलासपुर सेक्शन में फ्लाईओवर, ग्रेड सेपरेटर और मल्टी ट्रैकिंग को प्राथमिकता देकर मालगाड़ी और औद्योगिक लॉजिस्टिक्स को गति देने की रणनीति भी सामने आई है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ पूरे अनूपपुर, शहडोल अंचल को मिलेगा। इस पूरी रेल योजना के पीछे वर्षों की निरंतर पहल जुड़ी रही है। 2009 में वरिष्ठ पत्रकार कैलाश पाण्डेय ने अपने लेखों के माध्यम से पेंड्रा से अमरकंटक तक रेल विस्तार का दूरदर्शी विचार सार्वजनिक विमर्श में रखा था। बाद में तत्कालीन सांसद स्वर्गीय राजेश नंदिनी सिंह ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को पत्र लिखकर इस मांग को मजबूती दी, जिसके बाद रेल मंत्रालय ने प्रारंभिक सर्वे प्रक्रिया शुरू की। समय के साथ परियोजना की गति भले धीमी पड़ी, लेकिन मंडला के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने इसे पुनर्जीवित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर अमरकंटक से मंडला, डिंडोरी और नरसिंहपुर तक रेल विस्तार की मांग दोहराई। इसके परिणामस्वरूप 17 जनवरी 2025 को रेल मंत्रालय द्वारा संबंधित निदेशालय को विस्तृत जांच और सर्वे के निर्देश जारी किए गए थे, जिसे इस दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है। रेल और अधोसंरचना विस्तार का प्रभाव केवल यात्रा सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा।

अनूपपुर जिले में प्रस्तावित औद्योगिक विस्तार के साथ मिलकर यह पहल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सामाजिक ढांचे को नई मजबूती देगी। इसका सीधा और दूरगामी लाभ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक को भी मिलेगा, जहां देश के अनेक राज्यों से हजारों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। बेहतर रेल, सड़क, परिवहन, बिजली और आवासीय सुविधाओं से छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को अधिक सुरक्षित, सुलभ और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा। औद्योगिक विकास और रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से विश्वविद्यालय और उद्योगों के बीच अकादमिक औद्योगिक समन्वय की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी। इससे इंटर्नशिप, शोध, कौशल विकास और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विशेष रूप से जनजातीय, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह विकास आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा। साथ ही अमरकंटक जैसे संवेदनशील सांस्कृतिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में संतुलित विकास से पर्यटन, शोध और सांस्कृतिक अध्ययन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। कक्का की चौपाल में वर्षों से यह कहा जाता रहा है कि "बजट में नाम आना ही पहली जीत है, पटरी बाद में बिछती है।" रेल बजट 2025-26 ने इसी भरोसे को लौटाने का काम किया है। भले ही अभी यह सर्वे की शुरुआत हो, लेकिन यह स्पष्ट संकेत है कि अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, अनूपपुर, शहडोल और अंबिकापुर अब रेल और विकास की मुख्यधारा में जगह बनाने लगे हैं। यह सिर्फ रेल परियोजनाओं की कहानी नहीं, बल्कि उस जनहितकारी पत्रकारिता और भरोसे की वापसी है, जिसकी प्रतीक्षा यह पूरा अंचल लंबे समय से कर रहा था।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ब्यौहारी जिला-शहडोल (म.प्र.)
Email-ro83beohari@gmail
रा.प्र.क्र. 134/अपील/अ-27/2025-26
क्र./प्रवा./.../2026/प्रो.क्र.306 ब्यौहारी, दिनांक 27/1/2026
आम सूचना
रामजी पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता आयु 53 वर्ष निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र. 07 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र.............अपीलार्थी
बनाम
1.श्री मती रूकमणी बेवा रामदयाल गुप्ता आयु 90 वर्ष निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र.14 थाना तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 2. जवाहरलाल पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता आयु 67 वर्ष निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र. 14 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 3. हरीदास पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता (मृत) 3. (क)- श्री मती प्रमिला गुप्ता बेवा हरीदास गुप्ता (मृत) 3. (ख) - अंजली पुत्री हरिदास गुप्ता आयु 38 वर्ष पति श्री विकाश गुप्ता निवासी ग्राम कटरा भीतर बजार सीतला माता मंदिर के पास थाना सागर जिला सागर म.प्र. 3.(ग) अर्चना पुत्री हरिदास गुप्ता आयु 36 वर्ष पति श्री अतुल गुप्ता निवासी वार्ड क्र.15 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 3(घ) अल्पना पुत्री हरिदास गुप्ता आयु 34 वर्ष पति श्री अर्शल गुप्ता निवासी बरेला वार्ड क्र. 13 लक्ष्मण पैलेस जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. 4. लक्ष्मी गुप्ता पुत्री रामदयाल गुप्ता (मृत) 4(क)- प्रकाश गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता माँ लक्ष्मी गुप्ता निवासी ग्राम कृष्णनगर लक्ष्मी ट्रेडस सतना जिला सतना म.प्र. 4(ख) विकाश गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता माँ लक्ष्मी गुप्ता निवासी कृष्णनगर लक्ष्मी ट्रेडस सतना जिला सतना म.प्र. 4(ग)- ज्योती गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता माँ लक्ष्मी गुप्ता निवासी लक्ष्मी ट्रेडस नियर एल.आई.सी. ऑफिस सतना जिला सतना म.प्र. 4 (घ) रजनी गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता माँ लक्ष्मी गुप्ता निवासी श्री अनाज भंण्डार सतना चौराहा अमरपाटन जिला सतना म.प्र. 5. राधाबाई पुत्री रामदयाल गुप्ता पति रामदीन गुप्ता वार्ड क्र.8 ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 6- मीराबाई पुत्री रामदयाल गुप्ता पति उमाशंकर गुप्ता वार्ड क्र. 8 ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 7. प्रेमलता पुत्री रामदयाल गुप्ता पति श्री लालजी गुप्ता निवासी नेहरू नगर रीवा आर.टी.ओ. एजेन्ट जिला रीवा म.प्र. 8. छोटी उर्फ अनीता गुप्ता पुत्री रामदयाल गुप्ता पति श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता निवासी गोपाल मिष्ठान भंण्डार सीधी म.प्र. 9.दयाराम पिता बल्देव प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र.3 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र.............रेस्पा.गण
अपील विरुद्ध न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय, ब्यौहारी के रा.प्र.क. 0062/अ-27/2021-22 आदेश दिनांक 12.12.2022
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ब्यौहारी
सील जिला-शहडोल (म.प्र.)

मंत्री संग राकेश, उमेश स्मैक की पुड़िया सहित गिरफ्तार

ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस की बड़ी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज चचाई। पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान के द्वारा सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र में नशा मुक्त कर अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश प्राप्त हुआ था इसी के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह मरकाम, एसडीओपी सुमित किरकेट्टा के निर्देशन में थाना प्रभारी चचाई सुंद्रेश सिंह के नेतृत्व में 03 फरवरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि अमलाई की तरफ से चचाई होते हुए अनूपपुर तरफ एक आई 20 हुंडई कार सिल्वर रंग की जिसका नंबर सीजी 04 एलपी 9997 से कुछ लोग अवैध मादक पदार्थ स्मैक का परिवहन कर रहे हैं सूचना की तस्दीक हेतु टीम बनाकर बताएं स्थान पर उक्त वाहन के आने का इंतजार कर रहे थे जैसे ही उक्त वाहन आया पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास की तो पुलिस को देखकर उक्त वाहन के चालक तेज गति से भागने लगा पीछा करने पर बाबा कुटी मंदिर के पास झाड़ियो की तरफ गाड़ी को भगा दिए जिससे घेराबंदी कर पकड़ा गया, उक्त वाहन में चार व्यक्ति बैठे हुए थे नाम पता पूछने पर उक्त वाहन के 01. चालक अपना नाम हरिकेश सिंह उर्फ मंत्री पिता दीप नारायण सिंह उम्र 35 साल निवासी तहसील के पीछे अनूपपुर, उसी के बगल सीट में बैठा व्यक्ति 02. अपना नाम राकेश कुशवाहा पिता स्वर्गीय लालमन कुशवाहा उम्र 36 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती रोड अनूपपुर तथा बीच के सीट में बैठे व्यक्तियों से पूछताछ करने पर अपना-अपना नाम 03. संग पटेल पिता स्व. शेषनारायण पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती अनूपपुर एवं 04. आकाश पटेल पिता उमेश पटेल उम्र 27 वर्ष निवासी खोली थाना चचाई जिला अनूपपुर का होना बताए। उक्त व्यक्तियों से एवं वाहन की तलाशी लेने पर संग पटेल के पास से 34 पुड़िया स्मैक के कुल वजन 5.67 ग्राम कीमती 30000, नगद 4940 मिला, उक्त सभी आरोपियों से कुल पांच मोबाइल, एक कार एवं नगदी सहित कुल कीमत 6,12090 जप्त कर आरोपियों से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा संगठित रूप से स्मैक शहडोल से खरीद करके अनूपपुर में लाकर बिक्री करना बताएं मामले में उक्त आरोपियों के द्वारा अपराध धारा 8इ/22 एनडीपीएस एक्ट एवं 112(1) बीएनएस के तहत अपराध घटित करना प्रमाणित पाए जाने से आरोपियों को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया, उक्त आरोपियों के विरुद्ध तथा उक्त आरोपियों के द्वारा जहां से स्मैक खरीदे हैं उसे भी आरोपी बनाया जाकर आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया, आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी चचाई सुंद्रेश सिंह, उप निरीक्षक राघव बागरी, सहायक उप निरीक्षक लालमणि चौधरी, रावेंद्र तिवारी, प्रधान आरक्षक विकास दहाय, मोहन सिंह, आरक्षक विवेक मिश्रा, राकेश द्विवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आवश्यकता है
हरिभूमि कार्यालय अनूपपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है हिंदी टायपिंग व समाचार बनाने का अनुभव आवश्यक है। अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें।
संपर्क करे
मनोज शुक्ला-9425473230
आशीष द्विवेदी-9425472507

!! राधे-राधे !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! राधे-राधे !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स
ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांड्य Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239